

1. कार्यक्रम का शीर्षक- आनन्दम् पाठ्यचर्या के अर्न्तगत डी.एल.एड. प्रशिक्षुओं (प्रथम सेमेस्टर) एवं शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण।

2. कार्यक्रम के उद्देश्य- कार्यक्रम के उद्देश्य निम्नवत हैं-

बच्चों में सहयोग, सौहार्द, सद्भावना, सहानुभूति की भावना का विकास करना।

बच्चों में एकाग्रता, समस्या-समाधान एवं विश्लेषण करने की क्षमता का विकास करना।

3. कार्यक्रम की प्रक्रिया- आनन्दम् पाठ्यचर्या के क्रियान्वयन से बच्चों में सहयोग, सौहार्द, सद्भावना, सहानुभूति आदि सद्गुणों की भावना का विकास करना है। इसके अतिरिक्त बच्चों में एकाग्रता, समस्या-समाधान एवं विश्लेषण करने की क्षमता एवं मिलकर कार्य करने की भावना का विकास होगा। प्रायः देखने में आता है कि विद्यालय का वातावरण बच्चों को आकर्षित नहीं कर पाता है जिससे बच्चों में शालात्याग की प्रवृत्ति बढ़ने लगती है। आनन्दम् पाठ्यचर्या के क्रियान्वयन से छात्र-छात्राओं को विद्यालय में आनन्दमयी और उल्लासमय वातावरण प्रदान करने के साथ विद्यालय में शिक्षक, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं जनमानस के मध्य सुखद एवं सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित हो पाएगा। शिक्षा की प्रक्रिया में मानव मूल्यों को उचित स्थान प्रदान करने तथा विद्यालय के वातावरण को सुखद एवं आनन्दमय बनाने के उद्देश्य से शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रत्येक विकासखण्ड से ऐसे शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों का चयन किया गया जिनके द्वारा अभी तक आनन्दम् पाठ्यचर्या का प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया गया है। चयनित शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों को तीन चरणों में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून में विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून में प्रशिक्षणरत डी.एल.एड. प्रशिक्षुओं को भी आनन्दम् पाठ्यचर्या का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। आनन्दम् पाठ्यचर्या का प्रशिक्षण ड्रीम ए ड्रीम, ब्लू आर्ब संस्था के विशेषज्ञों एवं डायट देहरादून द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

4. कार्यक्रम के परिणाम-

बच्चों में सहयोग, सौहार्द, सद्भावना, सहानुभूति की भावना विकसित होगी।

बच्चों में एकाग्रता, समस्या-समाधान एवं विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।



